Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 04 August 2024

Dainik Jagran
Page - 04

विद्यार्थियों को प्रोफेशनल बनाएंगे प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस

रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय ने लिया पीओपी नियुक्त करने का निर्णय

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : उच्चतर शिक्षा आयोग के दीशा ही अपने विद्यार्थियों को रोजगार के नजरिये से प्रोफेशनल बनाने के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस की नियुक्ति करने जा रहा है। इस पर पर किसी अकादमिक विशेषज्ञता वाले शिक्षक को नियुक्ति नहीं की जाएगी बल्कि ऐसे लोगों को चयन किया जाएगा जो अपने क्षेत्र में उच्च प्रोफेशनल अनुभव और विशेषज्ञता रखते हों। लगभग विश्वविद्यालय इसके लिए चयन प्रक्रिया की शुरुआत करेगा। इसे लेकर विश्वविद्यालय में औपचारिक बात पर निर्णय लिया जा चुका है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इसे लेकर देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए मार्गदर्शन जारी किया है। आयोग के मार्गदर्शन पर ही विश्वविद्यालय ने प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस नियुक्त करने का निर्णय लिया है। यह ऐसे प्रोफेसर होंगे, जो अपने अनुभव से विद्यार्थियों के दृष्टिकोण बदल कर उन्हें रोजगार उन्मुख बनाने का काम करेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय में एक कमेटी गठित की जाएगी। इसमें इसके विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाएगा। दरअसल विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रमों के निर्माण में उद्योगों की भूमिका बढ़ाने के लिए प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस की नियुक्ति की जा रही है। इसके तहत अन्य केंद्रीय पाठ्यक्रमों में प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस की नियुक्ति की गई है। इस पहल से विद्यार्थियों को रोजगार के लिए प्रयास करने, इनकी सफलता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इसके बदले विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के लिए तैयार किया जाएगा। इसके विश्वविद्यालय को बैकवर्ड लिंकेजेस का अवसर भी मिलेगा। इस पहल से विद्यार्थियों को रोजगार के लिए प्रयास करने, इनकी सफलता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इसके बदले विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के लिए तैयार किया जाएगा। इसके विश्वविद्यालय को बैकवर्ड लिंकेजेस का अवसर भी मिलेगा।

बीए आनर्स में प्रवेश को होगी आफलाइन काउंसलिंग

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने छात्रहित को ध्यान में रखते हुए बीए आनर्स में प्रवेश की काउंसलिंग आफलाइन मोड में कराने का निर्णय लिया है। यह निर्णय अभ्यर्थियों के प्रतिकिल दिक्कतों को देखते हुए विषय-विभागों करने के बाद लिया गया है। आफलाइन काउंसलिंग के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द कार्यक्रम जारी करेगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस वर्ष पहली बार बीए आनर्स के स्नातक पाठ्यक्रम में आफलाइन काउंसलिंग के जरिये प्रवेश का निर्णय लिया था। इस क्रम में परास्नातक के 22 और स्नातक के 14 पाठ्यक्रमों के लिए प्रक्रिया पूरा की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि यह ई-अध्ययन सामग्री बीए, बीकाम, बीसीए, बीएससी के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह ई-अध्ययन सामग्री विश्वविद्यालय एवं शोधपीठ के आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित की जा चुकी है। विमोचन अवसर पर महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ के उप निदेशक डा. कुशलनाथ मिश्र, डा. मनोज द्विवेदी, सुनील कुमार, हर्षवर्धन सिंह आदि मौजूद रहे।

माइनर व डेरिक्चुरल कोर्स में फेल विद्यार्थियों के लिए विशेष परीक्षा का अवसर

गोरखपुर : गोरि प्रशासन ने स्नातक कृतकक्ष के माइनर और कैरिकुलम कोर्स के पहले और छठे सेमेस्टर के क्रमशः अन्तिम विषयों के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को छात्र हाले में लिये विशेष परीक्षा देने का अवसर देने का निर्णय लिया है। ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने का लंबित उत्तरों को पूरा किया है, उनके लिए पोर्टल खुलवाया जाएगा और निरीक्षकों को परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया है। पूरी प्रक्रिया 15 दिन में पूरी निर्धारित 500 रुपये शुल्क के रूप में लेने का निर्णय भी लिया है। विद्यार्थियों के लिए इस कोर्स को पास करने का अंतिम अवसर होगा। इस बारे अभी कोई विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में अनुरोध नहीं है कि वह कोर्स पास करना चाहते हैं। उन्हें भरने और निर्धारित शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि पोर्टल दिया है। पोर्टल भरने और निर्धारित शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि विश्वविद्यालय ने कुल अगस्त तिथि तय की है। विश्वविद्यालय ने कुल 31 मेधावियों को पदक, प्रमाणपत्र व चेक प्रदान किया गया है।

दर्द की दवा

स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्रि द्वारा निर्मित

वरिष्ठता सूची जारी कर शिक्षकों का विवाद दूर करेगा गोवि प्रशासन

हर वर्ष 30 जून के बाद महीने भर में जारी हो जाएगी वरिष्ठता सूची

डा. रोहेश राय • गोरखपुर

गोरखपुर : वरिष्ठता को लेकर शिक्षकों के बीच उठने वाले विवाद पर विराम लगाने की दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय पुख्ता तैयारी कर रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने हर वर्ष विभाग, संकाय और विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जारी करने की योजना बनाई है। योजना के मुताबिक हर वर्ष 30 जून के बाद महीने भर में वरिष्ठता सूची जारी कर दी जाएगी।

विश्वविद्यालय में कई ऐसे विभाग हैं, जिनमें वरिष्ठता को लेकर शिक्षकों में इस कदर विवाद है कि गुटबाजी होने लगी है। कुछ शिक्षक अपनी वरिष्ठता बचाने में लगे रहते हैं, तो कुछ वरिष्ठता जाने के बाद गुटबाजी में जुट जाते हैं और विश्वविद्यालय प्रशासन को दोषी ठहराने लगते हैं। कोई नियुक्ति की तिथि से खुद को वरिष्ठ बताता है, तो कोई इसे लेकर सर्विस नियमावली का हवाला देता है। स्थिति तब और बिगड़ जाती है, जब वरिष्ठता का सही निर्धारण न होने के चलते कोई शिक्षक विभागाध्यक्ष या संकायाध्यक्ष के पद से वंचित हो जाता है और कोई कार्यपरिषद या विद्या परिषद का सदस्य नहीं बन पाता। बीते कुछ वर्षों में विज्ञान संकाय के अलावा भौतिक विज्ञान, गणित व वाणिज्य विभाग में इसे लेकर जमकर रस्साकशी देखने को मिली। वाणिज्य विभाग में तो प्रो.आरपी सिंह आज भी वरिष्ठता सूची के फिर से निर्धारण पर विचार करने की अपील कर रहे हैं। वरिष्ठता को लेकर विवाद केवल आचार्यों तक ही सीमित नहीं है। सहा आचार्य और सहायक आचार्य पद पर भी कई विभागों में शिक्षकों के बीच मनमुटाव की स्थिति है।

सूची जारी करने से पहले ली जाएगी आपत्ति : नियमानुसार प्रतिवर्ष शिक्षण सत्र समाप्त होने के साथ 30 जून के बाद नए सिरे से शिक्षकों की वरिष्ठता निर्धारित होनी चाहिए क्योंकि हर वर्ष कुछ शिक्षक रिटायर हो जाते हैं, तो कुछ दूसरे विश्वविद्यालयों में नियुक्ति पा जाते हैं। मृत्यु की स्थिति में भी वरिष्ठता सूची को लेकर शिक्षकों के दावे पर स्थायी विराम लगाने के लिए हर वर्ष इस सूची को जारी करने का निर्णय लिया गया है। परिष्ठता के निर्धारण के लिए जल्द एक कमेटी गठित की जाएगी। कमेटी विश्वविद्यालय की नियमावली के आधार पर अपनी सूची तैयार करेगी और विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंपेगी, जिसे कार्य परिषद से स्वीकृत कराकर वेबसाइट के जरिये सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

विभाग, संकाय और विश्वविद्यालय स्तर पर होगा वरिष्ठता का निर्धारण

विभाग स्तर पर वरिष्ठता से विभागाध्यक्ष का निर्धारण होता है तो संकाय स्तर पर वरिष्ठता से अधिष्ठाता का। कार्य परिषद और विद्या परिषद के सदस्य विश्वविद्यालय स्तर की वरिष्ठता सूची से नामित किए जाते हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय की जारी होने वाली वरिष्ठता सूची त्रिस्तरीय होगी। विभाग, संकाय और विश्वविद्यालय स्तर पर वरिष्ठता का निर्धारण किया जाएगा।

कार्य परिषद ने कुलसचिव से मांगा है शिक्षकों की वरिष्ठता का ब्योरा

विश्वविद्यालय के एक कार्य परिषद सदस्य डा. वेद प्रकाश राय ने बीते दिनों कुलसचिव को एक पत्र इस मांग के साथ दिया कि उन्हें विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य, सह आचार्य और आचार्य पद की वर्तमान वरिष्ठता सूची उपलब्ध कराई जाए। वरिष्ठता सूची के औपचारिक रूप से जारी किए जाने के विश्वविद्यालय के निर्णय के पीछे इस पत्र को कारण के रूप में देखा जा रहा है।

नाथ पंथ की ई-अध्ययन सामग्री का हुआ विमोचन

नाथ पंथ की ई-अध्ययन सामग्री का विमोचन करतीं गोवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन। साथ में डा. कुशलनाथ मिश्र व अन्य • सौ. गोवि

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के स्नातक कक्षाओं के पाठ्यक्रम में शामिल माइनर इलेक्टिव कोर्स 'नाथ पंथ का परिचय' के ई-अध्ययन सामग्री का शनिवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विमोचन किया। विमोचन के बाद उसका वेबसाइट पर लोकार्पण भी किया गया। इस ई-अध्ययन सामग्री को विश्वविद्यालय के गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ ने तैयार किया है। उपनिदेशक डा. कुशलनाथ मिश्र ने बताया कि यह ई-अध्ययन सामग्री बीए, बीकाम, बीसीए, बीएससी के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह ई-अध्ययन सामग्री विश्वविद्यालय एवं शोधपीठ के आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित की जा चुकी है। विमोचन अवसर पर महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ के उप निदेशक डा. कुशलनाथ मिश्र,डा. सोनल सिंह, डा. मनोज द्विवेदी, सुनील कुमार, हर्षवर्धन सिंह आदि मौजूद रहे।

गोवि के 31 मेधावियों को मिली छात्रवृत्ति

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय के परास्नातक स्तर के विभिन्न विषयों के कुल 31 मेधावियों को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने शनिवार को स्वामी शिवानंद मेमोरियल छात्रवृत्ति, शांति तिवारी मेमोरियल छात्रवृत्ति, पं. हरिहर प्रसाद दुबे मेमोरियल छात्रवृत्ति प्रदान की। इसके तहत मेधावियों को क्रमवार 6000, 14,500 एवं 16000 रुपये का चेक और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित हुए कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने में आर्थिक सहयोग देकर समाज के लोग एक बड़ा योगदान कर सकते हैं। शिक्षा प्राप्त करने में दिए जाने वाले सहयोग से बड़ा कोई सामाजिक कार्य नहीं है। प्रो. अनुभूति दुबे, प्रो. शांतनु रस्तोगी, प्रो. कीर्ति पांडेय, प्रो. श्रीवर्धन पाठक आदि मौजूद रहे। संचालन डा. मनीष पांडेय ने किया।

Amar Ujala
Page - 09

डीडीयू : ऑफलाइन मोड में होगी बीए ऑनर्स की काउंसिलिंग

च्वॉइस लॉक में अभ्यर्थियों को आई परेशानी के बाद विश्वविद्यालय ने लिया फैसला

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में बीए ऑनर्स में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग अब ऑफलाइन मोड में आयोजित होगी। च्वॉइस लॉक में अभ्यर्थियों को हुई परेशानी के बाद विश्वविद्यालय ने यह फैसला लिया है। ऑफलाइन काउंसिलिंग का कार्यक्रम जल्द ही जारी किया जाएगा।

अभ्यर्थी एवं छात्र प्रतिनिधि काफी दिनों से इस समस्या को लेकर कुलपति प्रो. पूनम टंडन के पास पहुंच रहे थे। विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श के बाद कुलपति ने इसके लिए ऑफलाइन काउंसिलिंग के निर्देश दिए।

विश्वविद्यालय में इस बार ऑनलाइन काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू की गई थी। 25 से 27 जुलाई तक च्वॉइस लॉक करने का मौका दिया गया था।

इसके बाद पहले परास्नातक और फिर बीए ऑनर्स को छोड़कर सभी स्नातक पाठ्यक्रमों के सीट आवंटन के परिणाम जारी कर दिए गए।

दरअसल, बीए ऑनर्स में ज्यादातर विद्यार्थियों ने एक ही सब्जेक्ट कॉम्बिनेशन भर दिया था। अन्य पाठ्यक्रमों से अलग इस कोर्स में विषयों की संख्या ज्यादा होने के कारण विकल्प चयन भी अधिकाधिक करने के सुझाव के बावजूद कई अभ्यर्थियों ने विकल्प चयन नहीं किया था। ऐसे में बीए आनर्स के सीट आवंटन परिणाम जारी होने के बाद ज्यादातर अभ्यर्थी सीट से वंचित रह जाते।

सबसे ज्यादा सीटों वाले बीए पाठ्यक्रम में कार्डसिलिंग प्रस्तावित थी और इसके लिए विकल्प चयन की प्रक्रिया भी कर ली गई थी लेकिन बीते कई दिनों से अभ्यर्थी विभिन्न कारणों से तिथि विस्तारित किए जाने और इसे इस बार ऑफलाइन मोड में कराने का अनुरोध कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि इस अध्ययन सामग्री से विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ. कुशलनाथ मिश्र ने बताया कि यह ई-अध्ययन सामग्री कार्यक्रम चलाया था। पीजी के 22 और यूजी के 14 पाठ्यक्रमों के लिए प्रथम चरण की ऑनलाइन काउंसिलिंग समाप्त हो चुकी है।

पहले चरण की काउंसिलिंग पूरी

विश्वविद्यालय प्रशासन ने बीए ऑनर्स की काउंसिलिंग पूरी की जा चुकी है। बीए में अभ्यर्थियों की बड़ी संख्या है। इनको अधिक से अधिक विषय विकल्प चुनने का मौका देने के लिए छात्रहित में इस पाठ्यक्रम में ऑफलाइन काउंसिलिंग से प्रवेश का निर्णय लिया गया है।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

सबसे ज्यादा सीटों वाले बीए पाठ्यक्रम में कार्डसिलिंग प्रस्तावित थी और इसके लिए विकल्प चयन की प्रक्रिया भी कर ली गई थी लेकिन बीते कई दिनों से अभ्यर्थी विभिन्न कारणों से तिथि विस्तारित किए जाने और इसे इस बार ऑफलाइन मोड में कराने के अनुरोध कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि इस अध्ययन सामग्री से विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ. कुशलनाथ मिश्र ने बताया कि यह ई-अध्ययन सामग्री

नाथ पंथ की ई-अध्ययन सामग्री का विमोचन

संवाद न्यूज एजेंसी

महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ की ओर से तैयार की गई है अध्ययन सामग्री

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक कक्षाओं के पाठ्यक्रम में शामिल माइनर इलेक्टिव कोर्स, पीएचआई 100, नाथ पंथ का परिचय की ई-अध्ययन सामग्री का कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने शनिवार को विमोचन कर वेबसाइट पर लोकार्पण किया। यह अध्ययन सामग्री महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ की ओर से तैयार की गई है।

कुलपति ने कहा कि इस अध्ययन सामग्री से विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ. कुशलनाथ मिश्र ने बताया कि यह ई-अध्ययन सामग्री कार्यक्रम चलाया था। पीजी के 22 और यूजी के 14 पाठ्यक्रमों के लिए प्रथम चरण की ऑनलाइन काउंसिलिंग समाप्त हो चुकी है।

पहले चरण की काउंसिलिंग पूरी

विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस सत्र प्रवेश परीक्षा आयोजित करने, परिणाम घोषित करने और विभिन्न पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन काउंसिलिंग के लिए एक समयबद्ध कार्यक्रम चलाया था। पीजी के 22 और यूजी के 14 पाठ्यक्रमों के लिए प्रथमचरण की ऑनलाइन काउंसिलिंग समाप्त हो चुकी है।

सर्वाधिक सीटों वाले बीए पाठ्यक्रम में काउंसिलिंग प्रस्तावित थी और इसके लिए विकल्प चयन की प्रक्रिया भी कर ली गई थी लेकिन बीते कई दिनों से अभ्यर्थी विभिन्न कारणों से तिथि विस्तारित किए जाने और इसे इस बार ऑफलाइन मोड में कराने के अनुरोध कर रहे थे।

अन्य पाठ्यक्रमों से अलग इस कोर्स में विषयों की संख्या ज्यादा होने के कारण विकल्प चयन भी अधिकाधिक करने के सुझाव के बावजूद कई अभ्यर्थियों ने विकल्प चयन नहीं किया था। कल से आज तक अनेक छात्र प्रतिनिधियों ने भी कुलपति से मिलकर ग्रामीण परिवेश के अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस प्रक्रिया को इस बार ऑफलाइन मोड में ही कराने का अनुरोध किया था। कुलपति प्रो पूनम टंडन ने आज दिन में इसे लेकर विभिन्न स्तरों पर बैठकें करने के बाद इसे मंजूरी दे दी। इस संबंध में कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि बीए के अलावा शेष पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश का पहला चरण सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। बीए में अभ्यर्थियों की बड़ी संख्या और अधिक से अधिक विषय विकल्प चुनने का मौका देने के लिए व्यापक छात्रहित में इस पाठ्यक्रम मेंऑफलाइन काउंसिलिंग से प्रवेश का निर्णय लिया गया है।

परास्नातक के 31 मेधावियों को मिली छात्रवृत्ति

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के परास्नातक स्तर के विभिन्न विषयों के कुल 31 मेधावियों को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने शनिवार को चेक एवं प्रमाणपत्र प्रति छात्र प्रदान किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण की ओर से आयोजित कार्यक्रम में स्वामी शिवानंद मेमोरियल छात्रवृत्ति, श्रीमती शांति तिवारी मेमोरियल छात्रवृत्ति, पं. हरिहर प्रसाद दुबे मेमोरियल छात्रवृत्ति के लिए क्रमशः 6000, 14,500 एवं 16000 रुपए सत्र 2022-23 एवं 2023-24 के पीजी टॉपर्स को प्रदान किए गए। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने में आर्थिक सहयोग देकर समाज के लोग एक बड़ा योगदान कर सकते हैं। संवाद

माइनर, को-करिकुलर के फेल विद्यार्थी छह तक भरें फॉर्म

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों के स्नातक अंतिम वर्ष के जो विद्यार्थी माइनर और को-करिकुलर विषयों में फेल हो गए थे, उनके लिए विशेष परीक्षा एक हफ्ते के अंदर आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय ने इसके लिए पोर्टल खोल दिया गया है। संबंधित छात्र-छात्राएं छह अगस्त तक 500 रुपये शुल्क जमा कर फॉर्म भर सकते हैं। यह परीक्षाएं विश्वविद्यालय परिसर में होंगी।

माइनर और को-करिकुलर जैसे विषयों में विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों के स्नातक अंतिम वर्ष के करीब साढ़े तीन हजार छात्र-छात्राएं फेल हो गए हैं। नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद पहले बैच में बड़ी संख्या में छात्रों के फेल होने के मामले को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने उन्हें एक और मौका देने का निर्णय लिया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि परीक्षा समिति के निर्णय के अनुसार पीएसवाई-100 और एचएससी-100 विषयों के यूजी पांचवें और छठवें सेमेस्टर के फेल हुए छात्रों की विशेष परीक्षी होगी। संवाद

Hindustan
Page - 06

मेधावियों को छात्रवृत्ति का चेक प्रदान करने के बाद कुलपति प्रो. पूनम टंडन व अन्य।

परास्नातक के 31 मेधावियों को मिली छात्रवृत्ति

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के परास्नातक स्तर के विभिन्न विषयों के कुल 31 मेधावियों को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने छात्रवृत्ति प्रदान किया। स्वामी शिवानंद मेमोरियल छात्रवृत्ति, श्रीमती शांति तिवारी मेमोरियल छात्रवृत्ति, पं. हरिहर प्रसाद दुबे मेमोरियल छात्रवृत्ति के लिए क्रमशः 6000, 14,500 एवं 16000 रुपये का चेक एवं प्रमाणपत्र प्रति छात्र प्रदान किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा आयोजित कार्यक्रम में यह छात्रवृत्ति सत्र 2022-23 एवं 2023-24 के पीजी टॉपर्स को प्रदान की गई।

पेच के कारण बीए की कटऑफ लिस्ट जारी नहीं कर रहा था डीडीयू, करीब 21 विषयों में बीए में होना है प्रवेश

ऑफलाइन होगी बीए ऑनर्स की काउंसलिंग

डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में बीए ऑनर्स की काउंसलिंग ऑफलाइन होगी। काउंसलिंग में आ रही व्यावहारिक दिक्कतों को देखते हुए शनिवार को प्रवेश समिति ने यह निर्णय लिया। बीए में प्रवेश के लिए काउंसलिंग का कार्यक्रम जल्द जारी किया जाएगा।

डीडीयू में 25 से 27 जुलाई तक च्वॉइस लॉक करने का मौका दिया गया था। बीए ऑनर्स को छोड़कर सभी स्नातक पाठ्यक्रमों के सीट आवंटन के परिणाम जारी कर दिए गए। बीए ऑनर्स की व्यावहारिक दिक्कतों को लेकर बड़ी संख्या में छात्र प्रवेश प्रक्रिया और कुलपति से विमर्श कर रहे थे। शनिवार को देर शाम इसे लेकर प्रवेश समिति की मैराथन बैठक आयोजित हुई। इसमें विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श के बाद कुलपति ने बीए ऑनर्स की काउंसलिंग ऑफलाइन कराने का निर्देश दिया। विश्वविद्यालय में पहली बार ऑनलाइन काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू की गई थी। बीए ऑनर्स की छोड़कर हर जगह सफलतापूर्वक प्रक्रिया चल रही है।

इसलिए ऑफलाइन का लिया निर्णय : बीए में करीब 2600 से अधिक सीटों के लिए प्रवेश लिया जाना है। बीए में कुल 21 विषय संचालित होते हैं। इनमें से कोई तीन विषय ही छात्र-छात्राओं को चुनने होते हैं। बीए ऑनर्स में ज्यादातर अभ्यर्थियों ने आठ-नौ विषयों का ही कॉम्बिनेशन भर दिया था, जबकि करीब आधा दर्जन कोर्स में चुनिंदा च्वाइस लॉक थे। अन्य पाठ्यक्रमों से अलग इस कोर्स में विषयों की संख्या ज्यादा होने के कारण विकल्प चयन भी अधिकाधिक करने के सुझाव के बावजूद कई अभ्यर्थियों ने विकल्प चयन नहीं किया था।

- आठ-नौ विषयों में सीटों से ज्यादा च्वाइस लॉक, कुछ में कुविंज आवेदन
- सीटों के वनिस्पत बहुत ज्यादा या कम च्वाइस लॉक से फंसा था पेच

"बीए ऑनर्स के अलावा सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पहले चरण की काउंसलिंग पूरी हो चुकी है। बीए में अभ्यर्थियों की बड़ी संख्या है। इनको अधिक से अधिक विषय विकल्प चुनने का मौका देने के लिए छात्रहित में इस पाठ्यक्रम में ऑफलाइन काउंसिलिंग से प्रवेश का निर्णय लिया गया है।"

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

पहले चरण की काउंसलिंग पूरी

विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस सत्र प्रवेश परीक्षा आयोजित करने, परिणाम घोषित करने और विभिन्न पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन काउंसलिंग के लिए एक समयबद्ध कार्यक्रम चलाया था। पीजी के 22 और यूजी के 14 पाठ्यक्रमों के लिए प्रथमचरण की ऑनलाइन काउंसलिंग समाप्त हो चुकी है।

सर्वाधिक सीटों वाले बीए पाठ्यक्रम में काउंसिलिंग प्रस्तावित थी और इसके लिए विकल्प चयन की प्रक्रिया भी कर ली गई थी लेकिन बीते कई दिनों से अभ्यर्थी विभिन्न कारणों से तिथि विस्तारित किए जाने और इसे इस बार ऑफलाइन मोड में कराने के अनुरोध कर रहे थे।

अन्य पाठ्यक्रमों से अलग इस कोर्स में विषयों की संख्या ज्यादा होने के कारण विकल्प चयन भी अधिकाधिक करने के सुझाव के बावजूद कई अभ्यर्थियों ने विकल्प चयन नहीं किया था। कल से आज तक अनेक छात्र प्रतिनिधियों ने भी कुलपति से मिलकर ग्रामीण परिवेश के अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस प्रक्रिया को इस बार ऑफलाइन मोड में ही कराने का अनुरोध किया था। कुलपति प्रो पूनम टंडन ने आज दिन में इसे लेकर विभिन्न स्तरों पर बैठकें करने के बाद इसे मंजूरी दे दी। इस संबंध में कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने कहा कि

बीए के अलावा शेष पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश में का पहला चरण सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। बीए में अभ्यर्थियों की बड़ी संख्या और अधिक से अधिक विषय विकल्प चुनने का मौका देने के लिए व्यापक छात्रहित में इस पाठ्यक्रम मेंऑफलाइन काउंसिलिंग से प्रवेश का निर्णय लिया गया है।

माइनर और को-करिकुलर के फेल छात्र छह तक भरें फॉर्म

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और सम्बद्ध कॉलेजों के स्नातक अंतिम वर्ष के जो विद्यार्थी माइनर और को-करिकुलर विषयों में फेल हो गए हैं, उनके लिए विशेष परीक्षा एक हफ्ते के अंद होगी। छात्र हित में पोर्टल खोल दिया गया है। संबंधित छात्र-छात्राएं छह अगस्त तक 500 रुपये शुल्क जमा कर फॉर्म भर सकते हैं। इनकी परीक्षाएं डीडीयू कैंपस में होंगी।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलदीप सिंह ने इस सम्बंध में शनिवार को आदेश जारी कर दिया है। उन्होंने बताया कि परीक्षा समिति के निर्णय के अनुसार पीएसवाई-100 और एचएससी-100 विषयों के यूजी पांचवें और छठवें सेमेस्टर के फेल हुए छात्रों की विशेष परीक्षा होगी। इनकी परीक्षा एमसीक्यू आधारित होगी। इनके अलावा जिन विद्यार्थियों ने एक्टिवटी बेस माइनर या को-करिकुलर विषय एफसीए 100, एनसीसी 100, एनएसएस 100, पीएचईडी 100 एवं आरआर 100 के वे छात्र जो किसी कारणवश क्वालीफाई नहीं कर पाए हैं, उनके लिए भी पोर्टल खोलवाकर नियमानुसार कार्यवाही कर अंक अपलोड करने के लिए परीक्षा समिति ने सहमति दी है। ऐसे छात्र-छात्राओं के लिए इसी सत्र में स्नातक उत्तीर्ण करने का यह अंतिम मौका है।

- क्वालीफाइंग विषयों में फेल स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की होनी है विशेष परीक्षा
- करीब साढ़े तीन हजार विद्यार्थियों को होगा फायदा, 500 रुपये जमा करना होगा शुल्क

उल्लेखनीय है कि माइनर और को-करिकुलर जैसे विषयों में डीडीयू और सम्बद्ध कॉलेजों के स्नातक अंतिम वर्ष के करीब साढ़े तीन हजार छात्र-छात्राएं फेल हो गए हैं। एनईपी लागू होने के बाद पहले बैच में बड़ी संख्या में छात्रों के फेल होने के मामले को देखते हुए डीडीयू प्रशासन ने उन्हें एक और मौका देने का निर्णय लिया है।

नाथ पंथ की ई-अध्ययन सामग्री का विमोचन

गोरखपुर। डीडीयू में स्नातक कक्षाओं के पाठ्यक्रम में शामिल माइनर इलेक्टिव कोर्स, पीएचआई 100, नाथ पंथ का परिचय की ई-अध्ययन सामग्री का कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने शनिवार को विमोचन किया। यह अध्ययन सामग्री महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ की ओर से तैयार की गई है। कुलपति ने कहा कि इससे सभी विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ. कुशलनाथ मिश्र ने बताया कि यह ई-अध्ययन सामग्री स्नातक प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इस दौरान डॉ. सोनल सिंह, डॉ. मनोज द्विवेदी, डॉ. सुनील कुमार एवं हर्षवर्धन सिंह उपस्थित रहे।

Rashtriya Sahara
Page - 06, 07

छात्रवृत्ति का चेक पाकर उत्साहित दिखे मेधावी

गोरखपुर(एसएनबी)। दीदउ गोविवि के परास्नातक स्तर के विभिन्न विषयों के कुल 31 मेधावियों को कुलपति प्रो. पूनम टंडन के द्वारा स्वामी शिवानन्द मेमोरियल छात्रवृत्ति, शान्ति तिवारी मेमोरियल छात्रवृत्ति, पं. हरिहर प्रसाद दुबे मेमोरियल छात्रवृत्ति के लिए क्रमशः 6000, 14,500 एवं 16000 रुपए का चेक एवं प्रमाणपत्र प्रति छात्र प्रदान किया गया।

- प्रमाणपत्र व चेक पाने वाले परास्नातक के विभिन्न विषयों के 31 छात्र
- छात्रवृत्ति 2022-23 एवं 2023-24 के पीजी टापर्स को दी गयी
- आर्थिक सहयोग देकर समाज के लोग कर सकते हैं बड़ा योगदान

गोविवि. में अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा आयोजित कार्यक्रम में यह छात्रवृत्ति सत्र 2022-23 एवं 2023-24 के पीजी टॉपर्स को दी गई है। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने में आर्थिक सहयोग देकर समाज के लोग एक बड़ा योगदान कर सकते हैं। जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा में सहयोग के लिए नागरिकों और विश्वविद्यालय परिवार को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारियों को भी स्वैच्छिक आधार पर यथासंभव कुछ विद्यार्थियों को पुस्तक या वित्तीय सहायता प्रदान करने की पहल करनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि स्वामी शिवानन्द मेमोरियल छात्रवृत्ति वाले विद्यार्थियों को श्रीमती शान्ति तिवारी मेमोरियल छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। यह छात्रवृत्ति पं. हरिहर प्रसाद दूबे फाउंडेशन ट्रस्ट बेतियाहाता द्वारा प्रदत्त है। वहीं पं. हरिहर प्रसाद दूबे मेमोरियल छात्रवृत्ति भौतिकी, गणित एवं प्राणि विज्ञान विषय के परातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के टपर्स को दिया जाता है।'